Page No

Vidya Punch

Date

हर देश में तू हर भेष में तू

हर देश में तू, हर भेष में तू, तेरा नाम अनेक तू स्क ही है।
तेरी रंग भूमि यह विश्व धरा, सब खेल मे, मेल में तू ही तो है।।

हर देवा में तू .....

सागर से उठा बादल बनके, बादल से फूटा जल हो करके।
फिर नहर बनी नदियाँ गहरी, तेरे भिन्न प्रकार तू स्क ही है।।

हर देवा में तू .....

मिट्टी से भी अणु परमाणु बना, सब जीव जगत का रूप लिया
कहीं पर्वत वृक्ष विशाल बना सौंदर्य तेरा तू स्क ही है।।

हर देवा में तू .....

यह दिव्य दिखाया है जिसने, वह है गुरुदेव की पूर्ण दया।
तुकड़या कहे और न कोई दिखा, बस में और तू सब
स्क ही है।।

हर देवा में तू .....

Teacher's Remarks :

Teacher's Signature

विद्या पंच

Scanned with Cam

Page No.

Vidya Punch

Date

हे जगत्राता

हे जग त्राता विश्व विधाता,
हे सुख शान्ति निकेतन है।
हे जग त्राता .....

प्रेम के सिन्धु, दीन के बन्धु,
दुख दारिद्रय विनाशन है।
हे जग त्राता .....

नित्य अखण्ड अनन्त अनादि,
पूरण ब्रह्म सनातन है
हे जग त्राता .....

जग आश्रय जगपति जग वन्दन
अनुपम अलख निरंजन है
हे जग त्राता .....

प्राण सखा त्रिभुवन प्रति पालक, जीवन के अवलम्बन है
हे जग त्राता विश्व विधाता, हे सुख शान्ति निकेतन है

Teacher's Remarks :

विद्या पंच

Teacher's Signature

Scanned with Cam

आये हैं हम

आये हैं हम दूर-दूर से सबको यह समझाने,
भेद-भाव को मिटा प्यार का मन में दीप जलाने।
हमारा प्यार अमर है, हमारी एक डगर है।।
आये हैं हम....

एक ही माटी एक ही गुलशन, क्यारी जुदा जुदा है
रंग-बिरंगे फूल खिले हैं, खुशबू जुदा जुदा है
जीवन का है स्रोत एक ही, आये यह समझाने,
हमारा प्यार अमर .....

भिन्न-भिन्न हैं बोली हमारी भिन्न भिन्न भाषाएँ,
भिन्न भिन्न हैं जाति धर्म पर, एक हैं अभिलाषाएँ।
हमारा प्यार अमर - - -

देश ही अपना दीन धरम है, हम तो बस ये जानें,
भाव को मिटा प्यार का मन में दीप जलाने.
हमारा प्यार अमर - - -
आये हैं हम दूर-दूर से सबको यह समझाने
भेद-भाव को मिटा प्यार का मन में दीप जलाने

 हमारा प्यार - - -

Scanned with Cam

हिन्द देश के निवासी. सभी जन एक हैं,
रंग रूप. वेश भाषा. चाहे अनेक हैं।
हिन्द देश के .....

बेला. गुलाब. जूही. चम्पा चमेली
व्यारे - व्यारे फूल गूँथे. माला में एक हैं।
हिन्द देश के .....

कोयल की कूक व्यारी. पपीहे की टेर न्यारी,
गा रही तराना बुलबुल. राग मगर एक हैं।
हिन्द देश के .....

गंगा जमुना. ब्रह्मपुत्र कृष्णा कावेरी,
जाके मिल गई सागर. में हुई सब एक हैं।
हिन्द देश के .....

Teacher's Remarks :

Teacher's Signature _____

Scanned with Cam

Page No. _____ Vidya Punch

Date _____

वह शक्ति हमें दो दयानिधे. कर्तव्य मार्ग पर डट जावें।
पर-सेवा. पर उपकार में हम. जग जीवन सफल बना जावें॥
वह शक्ति हमें .....

हम दीन-दुखी निर्बलों विकलों के, सेवक बन संताप हरें।
जो हैं अटके भूले-भटके. उनको तारें. खुद तर जावें॥
वह शक्ति हमें .....

छल. दम्भ. द्वेष, पाखंड. झूठ. अन्याय से निशि-दिन दूर रहें।
जीवन हो शुद्ध. सरल अपना. शुचि प्रेम सुधा रस बरसावे॥
वह शक्ति हमें .....

निज आन मान मर्यादा का. प्रभु ध्यान रहें अभिमान रहे।
जिस देश-राष्ट्र में जन्म लिया. बलिदान उसी पर हो जावें॥
वह शक्ति हमें .....

संकलन

संजना मिश्रा

Teacher's Remarks :

विद्या पंच

Teacher's Signature _____

Scanned with Cam

सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमारा

सारे जहाँ से अच्छा हिन्दोस्ताँ हमारा,
हम बुलबुले हैं इसकी, यह गुलिस्ताँ हमारा।
सारे जहाँ से अच्छा .....

पर्वत वो सबसे ऊँचा, हम साया आसमां का,
वह सन्तरी हमारा, वो पासवाँ हमारा।
सारे जहाँ से अच्छा .....

गोदी में खेलती हैं, इसकी हजारों नदियाँ,
गुलशन है जिनके दम से रश्क-ए-जिनाँ हमारा
सारे जहाँ से अच्छा .....

मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना।
हिन्दी हैं हम वतन है, हिन्दोस्ताँ हमारा
सारे जहाँ से अच्छा .....

Scanned with Cam

प्रार्थना :- सुबह सबेरे लेकर तेरा नाम प्रभु

सुबह सबेरे लेकर तेरा नाम प्रभु।
करते हैं हम शुरू आज का काम प्रभु॥
शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगायें हम.
विद्या का वरदान तुम्हीं से पायें हम।
तुम्ही से है आगाज तुम्ही अंजाम प्रभु.
करते हैं हम शुरू आज का काम प्रभु॥
सुबह सबेरे लेकर ....
गुरूओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छू लें हम।
तुम्ही से है हर सुबह. तुम्ही से शाम प्रभु,
करते हैं हम शुरू आज का काम प्रभु॥
सुबह सबेरे लेकर तेरा नाम प्रभु।
करते हैं हम शुरू आज का काम प्रभु॥
सुबह सबेरे ....

संकलन संजना मिश्रा

Teacher's Remarks :

Teacher's Signature

विद्या पंच

Scanned with Can

हमारा तुम्हारा वतन एक ही है

हमारा तुम्हारा वतन एक ही है।
धरा एक ही है गगन एक ही है॥
ये रेती, ये खेती, ये जंगल - बगीचे
ये नदियाँ ये झरने शिखर ऊँचे-ऊँचे
सुमन एक ही है चमन एक ही है
हमारा तुम्हारा वतन ....
बताओ यहाँ फर्क क्या तुमने देखा
खिंची है कहाँ पर विभाजन की रेखा
लगन एक ही है, भजन एक ही है॥
हमारा तुम्हारा वतन .....

संकलन
संजना मिश्रा

Teacher's Remarks :

Scanned with Cam